आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:20/01/2023; Published:31/01/2023

सपनों का पुनर्जन्म

डॉ. शोभना. एस

मूल: मौन गौरी 'पुष्पा' (कन्नड़)

यदि फिर से जन्म लिया तो इस भूमि में
एक और बार बेटी के रूप में
ऊँचे पहाड़ों की गोद में
धरती माता की साँझ में।

कल्पना की नजरों में छिपा सौंदर्य है
एक रस विद्द कवि की
कलम की स्याही में जन्म
उत्कृष्ट लेखन के रूप में

हरी धरती देवी की
गोद में बहती धारा के रूप में
उड़ने वाले पक्षियों की संतान के रूप में
उन ध्वनियों की संगीतमय सांस के रूप में

कुसुम की गंध के रूप में
जैसे फूल भगवान के चरणों में पहुँचते हैं
एक ओस की बूंद के रूप में जो हरे को चूमती है
सुबह के समय दिखने वाले पहाड़ों की सुंदरता के रूप में

किसानों की पसीने की बूंद बनकर
सीमा की रक्षा करने वाले एक सैनिक के साहस के रूप में
शांति दूतों के वचनों के रूप में
सत्य की दूतों के आदर्शों के रूप में।

****